

नईदुनिया

स्वयंसेवकों ने इमलिया में की नालियों की सफाई नारा लेखन एवं जन जागरूकता रैली का आयोजन

भोपाल। केंद्रित संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर ग्राम इमलिया में 24 फरवरी से 1 मार्च तक आयोजित किया जा रहा है। विशेष शिविर के बौद्धिक सत्र में भारत सरकार राष्ट्रीय सेवा योजना के उपकार्यक्रम सलालाका अशोक श्रोत्रीय सर, एवं क्षेत्रीय केंद्र मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के युवा अधिकारी राजकुमार वर्मा, राजकुमार मालवीय संस्कृत मंच भोपाल द्वारा स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन किया गया।

अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि अशोक ने कहा की आप सभी एनएसएस से जुड़कर विशेष कार्य कर रहे हैं, साथ ही आप संस्कृत के छात्र हैं इसलिए आपका दायित्व और बढ़ जाता है अब: आपका एनएसएस में रहकर एवं संस्कृत छात्र होने के नाते अच्छे अच्छे काम करने चाहिए एवं अपने चरित्र का निर्माण सही दिशा में



करना चाहिए, अपनी एक अलग पहचान बनाना चाहिए जिससे समाज में आपको एक आदर्श की तरह देखा जाए एवं आपके पद विहारों पर अन्य लोग भी चलें, युवा अधिकारी राजकुमार वर्मा ने अपने एनएसएस के अनुभव साझा करते हुए एनएसएस की गतिविधियोंसे अवगत कराया, राजकुमार मालवीय ने गौमाता

एवं गोवर से बनाई जाने वाली विभिन्न चीजों के बारे में बताया, प्रातः काल स्वयंसेवक कौन है और पुलिस मेडिटेशन के प्रशिक्षकों द्वारा ध्यान का प्रशिक्षण प्राप्त किया साथ ही ग्राम में नालियों की सफाई तालाब के किनारे पड़े हुए कचरे की सफाई जन जागरूकता रैली एवं नारा लेखन का कार्य किया।

मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स ने ब्लडलेस लिवर ट्रांसप्लांट की

भोपाल। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल, अहमदाबाद ने सर्जी के लिए ब्लडलेस तकनीक का उपयोग करके और सबसे कम समय में अपने मरीजों को अस्पताल से छुट्टी देकर लिवर ट्रांसप्लांट के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्ध हासिल की है। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल, अहमदाबाद में इस तकनीक का उपयोग करके 5 लिवर ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की गई है। मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स रूप से लिवर ट्रांसप्लांट एवं एचपीबी सर्जरी के डायरेक्टर, डॉ. पुनित सिंगला और उनकी टीम ने मार्गो सीआईएमएस हॉस्पिटल एनेस्थेसिया के प्रमुख डॉ. निन भावसार, तथा लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी के कन्सल्टेंट, डॉ. विकास पेटल के सहयोग से इस असाधारण सर्जिकल प्रक्रिया के लिए वरेंगे तकनीक का उपयोग किया। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने इस तकनीक की शुरुआत हुए हैं न केवल भारत में, बल्कि एशिया में भी सबसे पहले हाट ट्रांसप्लांट सर्जरी की प्रक्रिया को पूरा किया। लिवर ट्रांसप्लांट एवं एचपीबी सर्जरी के डायरेक्टर, डॉ. पुनित सिंगला और उनकी टीम ने मार्गो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने इस तकनीक की प्रमुख डॉ. निन भावसार, तथा लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी के कन्सल्टेंट, डॉ. विकास पेटल के सहयोग से इस असाधारण सर्जिकल प्रक्रिया के लिए वरेंगे तकनीक का उपयोग किया। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने इस तकनीक की शुरुआत हुए हैं न केवल भारत में, बल्कि एशिया में भी सबसे पहले हाट ट्रांसप्लांट सर्जरी की प्रक्रिया को पूरा किया। लिवर ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया के लिए एचपीबी सर्जरी के डायरेक्टर, डॉ. पुनित सिंगला और उनकी टीम ने मार्गो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने इस तकनीक की प्रमुख डॉ. निन भावसार, तथा लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी के कन्सल्टेंट, डॉ. विकास पेटल के सहयोग से इस असाधारण सर्जिकल प्रक्रिया के लिए एचपीबी सर्जरी को उपयोग किया। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने इस तकनीक की प्रमुख डॉ. निन भावसार, तथा लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी के कन्सल्टेंट, डॉ. विकास पेटल के सहयोग से इस असाधारण सर्जिकल प्रक्रिया के लिए एचपीबी सर्जरी को उपयोग किया। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने इस तकनीक की प्रमुख डॉ. निन भावसार, तथा लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी के कन्सल्टेंट, डॉ. विकास पेटल के सहयोग से इस असाधारण सर्जिकल प्रक्रिया के लिए एचपीबी सर्जरी को उपयोग किया। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने इस तकनीक की प्रमुख डॉ. निन भावसार, तथा लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी के कन्सल्टेंट, डॉ. विकास पेटल के सहयोग से इस असाधारण सर्जिकल प्रक्रिया के लिए एचपीबी सर्जरी को उपयोग किया। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने इस तकनीक की प्रमुख डॉ. निन भावसार, तथा लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी के कन्सल्टेंट, डॉ. विकास पेटल के सहयोग से इस असाधारण सर्जिकल प्रक्रिया के लिए एचपीबी सर्जरी को उपयोग किया। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने इस तकनीक की प्रमुख डॉ. निन भावसार, तथा लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी के कन्सल्टेंट, डॉ. विकास पेटल के सहयोग से इस असाधारण सर्जिकल प्रक्रिया के लिए एचपीबी सर्जरी को उपयोग किया। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने इस तकनीक की प्रमुख डॉ. निन भावसार, तथा लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी के कन्सल्टेंट, डॉ. विकास पेटल के सहयोग से इस असाधारण सर्जिकल प्रक्रिया के लिए एचपीबी सर्जरी को उपयोग किया। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने इस तकनीक की प्रमुख डॉ. निन भावसार, तथा लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी के कन्सल्टेंट, डॉ. विकास पेटल के सहयोग से इस असाधारण सर्जिकल प्रक्रिया के लिए एचपीबी सर्जरी को उपयोग किया। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने इस तकनीक की प्रमुख डॉ. निन भावसार, तथा लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी के कन्सल्टेंट, डॉ. विकास पेटल के सहयोग से इस असाधारण सर्जिकल प्रक्रिया के लिए एचपीबी सर्जरी को उपयोग किया। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने इस तकनीक की प्रमुख डॉ. निन भावसार, तथा लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी के कन्सल्टेंट, डॉ. विकास पेटल के सहयोग से इस असाधारण सर्जिकल प्रक्रिया के लिए एचपीबी सर्जरी को उपयोग किया। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने इस तकनीक की प्रमुख डॉ. निन भावसार, तथा लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी के कन्सल्टेंट, डॉ. विकास पेटल के सहयोग से इस असाधारण सर्जिकल प्रक्रिया के लिए एचपीबी सर्जरी को उपयोग किया। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने इस तकनीक की प्रमुख डॉ. निन भावसार, तथा लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी के कन्सल्टेंट, डॉ. विकास पेटल के सहयोग से इस असाधारण सर्जिकल प्रक्रिया के लिए एचपीबी सर्जरी को उपयोग किया। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने इस तकनीक की प्रमुख डॉ. निन भावसार, तथा लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी के कन्सल्टेंट, डॉ. विकास पेटल के सहयोग से इस असाधारण सर्जिकल प्रक्रिया के लिए एचपीबी सर्जरी को उपयोग किया। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने इस तकनीक की प्रमुख डॉ. निन भावसार, तथा लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी के कन्सल्टेंट, डॉ. विकास पेटल के सहयोग से इस असाधारण सर्जिकल प्रक्रिया के लिए एचपीबी सर्जरी को उपयोग किया। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने इस तकनीक की प्रमुख डॉ. निन भावसार, तथा लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी के कन्सल्टेंट, डॉ. विकास पेटल के सहयोग से इस असाधारण सर्जिकल प्रक्रिया के लिए एचपीबी सर्जरी को उपयोग किया। मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स ने ब्लडलेस लिवर ट्रांसप्लांट की

भारत का प्रमुख व्यक्तिगत विकास आयोजन

भोपाल। सर्वसेस



ज्ञान द्वारा आयोजित भारत का सबसे बड़ा व्यक्तिगत विकास आयोजन चेंजमेकर्स 2024 अपने बादों पर खरा उत्तरा, जिसका आयोजन जियो वर्ल्ड कन्वेन्शन में किया गया था। सितारों और जानेवालों ने इस आयोजन को उपलब्ध किया।

सर्वसेस ज्ञान में हमारा मानना है कि हर व्यक्ति में अपर शक्ति है। हमारे उद्देश्य हर व्यक्ति को ज़रूरी सहयोग प्रदान कर सशक्त बनाना है। विभिन्न क्षेत्रों से सर्वोच्च स्तर के कोचों ने इस आयोजन के बेहद खास बना दिया है। विभिन्न क्षेत्रों से सर्वोच्च स्तर के कोचों ने इस आयोजन के बारे में अपर शक्ति को ज़रूरी सहयोग प्रदान कर सशक्त बनाना है। अप्रियोग के बारे में हमारे प्रतिभागियों को विकास की शक्तियों के साथ परिचित कराया। 2012 में अपनी स्थापना के बाद से हमने देश भर में लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित किया है। सुरेन्द्र जयारेकर, संस्थापक, सर्वसेस ज्ञान में हमारा शक्ति है कि हर व्यक्ति में अपर शक्ति है। हमारे उद्देश्य हर व्यक्ति को ज़रूरी सहयोग प्रदान कर सशक्त बनाना है। अप्रियोग के बारे में हमारे प्रतिभागियों को ज़रूरी सहयोग प्रदान करने के बारे में अपर शक्ति है। ज्ञान-माने मनुष्य व्यवहार पर मुख्य प्रवक्ता थे, उन्होंने खोगोलीय दृष्टिकोण जागृत करने के तरीके के बारे में बताया।

निसान फॉर्मूला ई टीम ने सर्स्टेनेबल फैशन

स्टार्ट-अप कोरल आईडियर से की साझेदारी

भोपाल। निसान फॉर्मूला ई टीम ने सनगलासेज एवं अपैरल कंपनी कोरल आईडियर से की साझेदारी के बारे में छात्रों के बीच मल्टी-ईयर डील हुई है। इस साझेदारी के तहत 2023/24 में सभी केपेन एवं अन्य गतिविधियों के लिए कोरल आईडियर निसान फॉर्मूला ई टीम के सभी सदस्यों को अपने अनूठे प्रोडक्ट्स की आपर्टिंग करेगी। इन प्रोडक्ट्स को रिसार्किल्ड प्लास्टिक और प्लांट-बेस्ड मैटेरियल्स से बनाया जाएगा। इसके लिए गोवर से बनाई जाने वाली उपचार, उत्तराखण्ड और पुनर्जीवन के बारे में ध्यान केंद्रित करने के लिए एक व्यापक पहल है।

भोपाल आईडियर निसान फॉर्मूला ई टीम के लिए एक स्वाधीन विकास कांपनी के बीच भी व्यापक है। गुजरात में रिलायस का स्पेशल एडिशन कोरल आईडियर निसान फॉर्मूला ई टीम के लिए एक व्यापक पहल है। गुजरात में रिलायस का स्पेशल एडिशन कोरल आईडियर